# अनमोल भजन

आदरणीय भजन प्रेमी

सादर नमस्कार !

हिन्दू शास्त्रों के अनुसार अच्छे संस्कार संभ्रान्त एवं गुणी परिवार के अग्रजों से मिलते हैं परन्तु प्रेरणा किसी से भी मिल सकती है। मेरे संस्कारों का समस्त श्रेय पूजनीय माताजी स्व. श्रीमती गवरजा चितलांगिया, पिताजी स्व. श्री सोनराजजी चितलांगिया, सासुजी स्व. श्रीमती गोदावरीदेवी एवं ससुरजी स्व. श्री नन्दकिशोरजी राठी व मेरे जेठजी श्री आनन्दजी एवं जेठानीजी स्व. श्रीमती सुमनजी राठी तथा ननदें श्रीमती फूलकौरजी मून्दड़ा, स्व. श्रीमती पुष्पाजी मून्दड़ा व ताराजी मंत्री को है। इनकी प्रेरणा एवं मेरे शौक की सामूहिक प्रस्तुति है 'अनमोल भजन'। इसमें मैंने चुनिंदा अच्छे भजनों, आरतियों, हनुमान चालीसा एवं सुन्दर काण्ड का संकलन कर इसे पुस्तक रूपी माला में पिरोने का प्रयास किया है।

पुस्तक संकलन में हमारी बहुरानी वर्षा राठी एवं पुत्री सुरभि मोहता का सराहनीय सहयोग रहा है एवं पुस्तक प्रकाशन में दीपक सारड़ा एवं दीपा अरोड़ा का योगदान रहा है। जिसके लिए मैं उनकी सहृदय आभारी हूँ।

इस पुस्तक में भूलवश यदि कोई त्रुटि रह गई हो तो उसके लिए मैं करबद्ध क्षमाप्रार्थी हूँ। आप अपने सुझाव मुझे ई-मेल के माध्यम से निःसंकोच भेज सकते है जिससे इस पुस्तक को और बेहतर रूप में प्रकाशित किया जा सके।

'अनमोल भजन' पुस्तिका पूर्णतया निःशुल्क है। यदि आप यह पुस्तक प्राप्त करना चाहते है तो आप अपना नाम, पूरा पता एवं मोबाईल नम्बर 9829022840 पर व्हाट्सएप या SMS कर सकते है। आपको पुस्तक कूरियर से भेज दी जाएगी।

**शशि सुरेश राठी**

जोधपुर ( राज. )

shashirathi27@gmail.com